भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दैनिक जागरण

दिनांक :12.12.2018

एप दिलाएगा जैविक फसल के खरीदार

जास, वाराणसी : अब देश के किसानों को अपनी जैविक फसलों को बाजार में बेचने के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा। बस अपने मोबाइल पर एक एप डाउनलोड करना होगा और उसकी मदद से किसान अपनी फसलों को अच्छे दामों पर खरीददार को बेच सकेंगे। इसके लिए मालवीय नव प्रवर्तन एवं उद्यमिता संवर्धन केंद्र के प्रो. पीके मिश्र ने एक ऑयोगैस एप डिजाइन किया है। एप का मुख्य उद्देश्य किसानों को एक ऐसा प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है जहां से उन्हें उनको फसल के बेहतर खरीदार मिल सकें। जिससे किसानों, उद्यमियों की आय में और वृद्धि हो सके। बताया कि इस एप का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसकी टेस्टिंग वाराणसी से शुरू हो रही है। अगले वर्ष इसे आधिकारिक रूप से लांच किया जाएगा।

कुंभ मेले के दौरान नदी को दूषित किया तो होगी कार्रवाई

वाराणसी : प्रयागराज में अगले महीने से शुरू होने वाले कुंभ मेले में स्नानार्थियों को गंगा का स्वच्छ जल मिले इसके लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इस दौरान इंडस्ट्री से अगर प्रदूषण होता है तो उनपर कार्रवाई भी की जाएगी। इसको लेकर देश की अन्य संस्थाओं के साथ ही आइआइटी बीएचयू को भी जिम्मेदारी दी है।

आइआइटी, बीएचयू स्थित केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. पीके मिश्र ने बताया कि सरकार ने कानपुर के 34 उद्योगों, दो सीईटीपी और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले अवजल और मलजल की तीन चरणों में मानीटरिंग व जांच करने को कहा था। निर्देश दिया गया है कि प्रथम चरण में वे 23 से 30 दिसंबर, दूसरे चरण में 23 से 27 जनवरी और तीसरे चरण में पांच से 10 फरवरी के बीच की स्थिति की जांच कर रिपोर्ट सरकार को सौंपेंगे। प्रो. मिश्र के अनुसार डाई, ब्लीचिंग, टेक्सटाइल, डेयरी आदि उद्योग नदियों को दूषित कर रहे हैं। अगर वे नहीं सुधरे तो कार्रवाई भी की जाएगी।

शोध को आम लोगों तक पहुंचाना जरूरी

जास, वाराणसी : सिर्फ वैज्ञानिक बनना ही काफी नहीं है। अब साइंस कम्युनिकेशन को भी बढ़ाना पड़ेगा। हम जो शोध या नई खोज करते हैं उसे आम लोगों को भी सरल भाषा में बताना होगा। ताकि हमारा शोध समाज के काम आ सके। यह कहना है कि बीएचयू के पर्यावरण एवं धारणीय संस्थान की प्रो. कविता शाह का। प्रो. कविता संस्थान में मंगलवार को 'विज्ञान संचार एवं पर्यावरण' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर बतौर आयोजन सचिव बोल रही थीं। स्वागत संकाय प्रमुख प्रो. जीएस सिंह ने किया। इस मौके पर इंसा संस्थान से जुड़े कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन डा. विशाल प्रसाद ने किया।